एक नजर में

नम आंखों से दी संजा माता को विदाई

कसरावद। सोलह श्राद्ध की शुरुआत के साथ संजा माता का पर्व शुरू होता है और सर्वपितृ अमावस्या पर इसका समापन होता है। रविवार को हरसिद्धिधाम कॉलोनी की महिलाओं ने परंपरा अनुसार संजा माता को बिदाई दी। दुर्गा पटेल, मंजुला सांवले, शीतल चौहान, रजनी भालसे, ममता पटेल, सोनू गंगले, टीना पिपलदे, अनिता वर्मा, भूमि, छाया चौहान ने बताया कि प्रतिवर्ष की भाँति इस वर्ष भी महिलाओं और बालिकाओं ने मिलकर यह लोकपर्व मनाया। गाय के गोबर से संजा माता की आकृति बनाई जाती है जिसमें चाँद, सूरज और अन्य रूप सजाए जाते हैं। प्रतिदिन एक-एक टिपका (गोबर की छोटी टिक्की) हटाने की रस्म निभाई जाती है। सोलह दिनों बाद सोलहवाँ टिपका हटाकर माता का विसर्जन कर दिया जाता है। लोकपर्व संजा अब समाज में बहुत कम दिखाई देता है, लेकिन इस आयोजन से न सिर्फ परंपरा को जीवित रखने का प्रयास हुआ बल्कि नई पीढ़ी को भी इसकी जानकारी दी गई।

गोगावां में एक दिवसीय आनंद अल्पविराम कार्यशाला का आयोजन

गोगावां। राज्य आनंद संस्थान द्वारा जनपद पंचायत सभागार गोगावां में गत दिवस अलग-अलग विभागों के 50 कर्मचारियों के लिए आनंद अल्पविराम कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में आनंद विभाग का परिचय वीडियो तथा प्रेरक गुब्बारे वीडियो फिल्म दिखाई गई। जनपद पंचायत सीईओ सुश्री शिवानी वर्मा ने कहा कि जीवन को आनंद से जिएं और खुश रहें। इस अवसर पर म.प्र. शासन से पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित निमाड़ लोक परिषद के जगदीश जोशीला का शाल, श्रीफल व पुष्पमालाओं से सम्मान किया गया। इस दौरान श्री जोशीला ने कहा कि जीवन के आनंद के लिए मातृभाषा निमाड़ी जरूरी है। राज्य स्तरीय प्रशिक्षक श्री के.बी. मंसारे एवं गणेश कांडे ने सत्र लिया। आनंद विभाग की ओर से रिश्तों का सत्र काजल इंदौरे द्वारा लिया गया। इस अवसर पर तहसीलदार सुंदरलाल ठाकुर, बी.सी. जन अभियान परिषद के धर्मेंद्र गुप्ता, रुपेश कनौजे, कैलाश पटेल, गोविंद गुप्ता, हेमंत तंवर एवं रमेश चक्रवर्ती उपस्थित रहे।

श्रद्धा, आस्था के साथ पितरों का किया श्राद्ध, सर्वपितृ अमावस्या पर किया सामूहिक तर्पण व पिंडदान

खरगोन। सर्व पितृ अमावस्या याने श्राद्ध पक्ष के अंतिम दिन सनातन धर्मावलंबियों के घरों में जाने- अनजाने पितरों की शांति की कामना को लेकर श्रद्धा और आस्था के साथ श्राद्ध किया। इसके अलावा कुंदा तट पर सामुहिक तर्पण व पिंडदान का आयोजन भी किया गया। किया। गीता गंगा ट्रस्ट अध्यक्ष पंडित जगदीश ठक्कर ने बताया कि घर, गौशाला या नदी तट पर तर्पण व पिंडदान करने से पितरों की आत्मा को शांति मिलती है और उन्हें जन्म.मृत्यु के चक्र से मुक्ति मिलती है। कुंदा नदी तट पर सभी सनातनियों ने अपने.अपने पितरों के साथ देश के संत, महात्मा, महापुरुषों एवं शहीदों के नाम का भी तर्पण किया। मीडिया प्रभारी धर्मेंद्र भावसार लाला ने बताया कि कार्यक्रम के बाद ब्राह्मण भोज भी कराया गया। कार्यक्रम में सहस्त्र औदिच्य ब्राह्मण समाज अध्यक्ष सुभाष ठक्कर, सुरेंद्र ठक्कर, सुनील रघुवंशी, राजेश अग्रवाल, राजू भावसार, संतोष गुप्ता, हर्ष ठक्कर, जयदीप ठक्कर, रुद्र ठक्कर एवं ट्रस्ट के पदाधिकारी एवं सदस्यों का सराहनीय योगदान रहा।

बालिकाओं ने संजा माता की आकृतियां बनाई

भीकनगांव। एकीकृत शासकीय कन्या माध्यमिक विद्यालय भीकनगांव में बेगलैस डे के अंतर्गत निमाड़ का विलुप्त होता लोक पर्व सांझा माता का आयोजन किया गया जिसमें प्रधान पाठक श्रीमती चंचला व्यास के निर्देशन पर बालिकाओं ने दीवार पर संजा माता की आकृतियां बनाई और संजा माता के लोक गीत गाए इस अवसर पर शिक्षिका संध्या चौरे, मीरा पाटीदार, सुनीता वर्मा और शाला का समस्त स्टॉफ एवं सभी बच्चे उपस्थित थे।

अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस मनाया

मण्डलेश्वर। ब्रह्मा कुमारीज़ ईश्वरीय विश्व विद्यालय मण्डलेश्वर द्वारा 21 सितम्बर 2025 को अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस मनाया है। इस अवसर पर ब्रम्हाकुमारी भाई बहनो ने मिलकर नगर में विशाल रैली निकालकर 'शांतिपूर्ण विश्व के लिए अभी कार्य करें' विषय के साथ अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस मनाया है। इस विशेष अवसर पर संस्थान ने एक संवाद कार्यक्रम आयोजित कर संदेश दिया कि सच्ची शांति विचारों से ही शुरू होती है। इसलिये विचारो को शुद्ध और सकारात्मक रखने से स्वयं सहित संपूर्ण वातावरण में शांति के प्रकम्पन फैलते है। इस अवसर पर ब्रम्हाकुमारी मंगला बहन ने बताया कि वर्तमान समय इंसान शांति की खोज में इधर.उधर भटकता रहता है परन्तु शांति से दूर होता जा रहा है। अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस मुख्य रूप से सम्पूर्ण विश्व में शांति और अहिंसा स्थापित करने के लिए मनाया जाता है। आज के दिन विश्व में शांति दूतों को याद किया जाता हैए अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर नेल्सन मंडेलाए मदर टेरेसाए महात्मा गांधीए भुट्टोए नेपोलियन बोनापार्टए बुद्ध ने विश्व में शांति का संदेश फैलाया था और शांति दूत के नाम पर अपने प्राण त्याग दिए थे।। आपने बताया कि जीवन का प्रमुख लक्ष्य शांति और खुशी प्राप्त करना है जिसके लिए मनुष्य निरंतर कर्मशी तो है लेकिन शांति के लिए प्रयासरत नहीं। पूरा विश्चए समस्त देशों के बीच शांति स्थापि करने के लिए प्रयासरत है। इसी के तहत 21 सितंबर को हर साल पूरे विश्व में अंतर्राष्ट्र शांति दिवस के रूप में मनाया जाता है। मुख्य रूप से विश्व स्तर पर शांति बनाए रखने के लि इस दिवस को मनाए जाने पर मोहर लगी थी।

ओंकारेश्वर की पुण्य भूमि से हो रहा एकात्मता का प्रसार : महामंडलेश्वर स्वामी नर्मदानंद

जगत के कल्याण के लिए ही आचार्य शंकर अवतरित हुए : स्वामी भूमानंद सरस्वती, 'एकात्मता की प्रतिमा' की द्वितीय वर्षगांठ पर ओंकारेश्वर में हुआ आयोजन

खरगोन. आचार्य शंकर सांस्कृतिक एकता न्यास, संस्कृति विभाग, मध्यप्रदेश शासन द्वारा पुण्य नर्मदा नदी के पावन तट पर, आदि शंकराचार्य की गुरु और संन्यास भूमि पर स्थित अद्भुत और अलौकिक %एकात्म धाम% में, सन्यास परंपरा के प्रतीक आचार्य शंकर की 108 फीट ऊँची बहुधातु की प्रतिमा 'एकात्मता की प्रतिमा' की स्थापना की द्वितीय वर्षगांठ पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर आचार्य शंकर के विरचित स्तोत्रों और भाष्य का पारायण किया गया। साथ ही रुद्राभिषेक और संवाद कार्यक्रम भी संपन्न हुआ। कार्यक्रम में महामंडलेश्वर स्वामी नर्मदानंद बापजी, स्वामी भूमानंद सरस्वती सहित बड़ी संख्या में शंकर दूत और एकात्म धाम के अधिकारी उपस्थित रहे। इस दौरान सभी ने प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। मार्कण्डेय संन्यास आश्रम में आयोजित कार्यक्रम में श्री श्री ओंकारेश्वर के आचार्यों एवं वेद अध्ययनकर्ताओं ने भाष्य पारायण के साथ विधिवत् गुरु पूजन एवं रुद्राभिषेक किया। महामंडलेश्वर स्वामी नर्मदानंद बापजी ने कहा कि जगत के कल्याण के लिए भगवान शंकराचार्य का अवतार हुआ। ओंकारेश्वर की पुण्य भूमि का सौभाग्य है कि आचार्य गुरु की खोज में यहाँ आएं। आज एकात्म धाम के माध्यम से विश्व में एकात्मता का संदेश यहीं से जन-जन तक पहुँच रहा है। उन्होंने कहा कि भगवत्पाद भाष्यकार भगवान आद्य जगद्गुरु शंकराचार्य ने अद्वैत एवं एकात्मता का उद्घोष करते हुए उपनिषद, गीता और ब्रह्मसूत्र पर भाष्य रचे तथा चार मठों की स्थापना से भारत को सांस्कृतिक एकता के सूत्र में बाँधा। पूरे विश्व को शांति, समाधान और एकात्मकता प्रदान करने की सामर्थ्य अद्वैत दर्शन में निहित है। स्वामी भूमानंद सरस्वती ने कहा कि अद्वैत एक जीवन दृष्टि है। आज पुन: ओंकार की तपोभूमि से अद्वैत की सर्वत्र अनुगूँज सुनाई दे रही है। समस्त समस्याओं की जड़ भेदभाव है और उसका समाधान अद्वैत वेदांत में निहित है। ब्रह्मचारी रमण चैतन्य ने कहा कि आचार्य शंकर केवल ज्ञानी ही नहीं, परम भक्त भी थे। उन्होंने जगन्नाथ अष्टकम्, नर्मदा स्तोत्र, गंगा स्तोत्र जैसे स्तोत्रों की रचना कर भक्ति एवं उपासना को जीवंत रखा।

शंकर विरचित स्त्रोतों से गूंजा ओंकार पर्वत

कार्यक्रम में शंकर दूतों ने तोटकाष्टकम्, नर्मदा अष्टक, गंगा स्तोत्र जैसे विभिन्न आचार्य विरचित स्तोत्रों का गायन किया। इस दौरान ''विदिताखिल शास्त्र सुधा जलधे, महितोपनिषत्-कथितार्थ निधे, हृदये कलये विमलं चरणं, भव शंकर देशिक मे शरणम्'' मंत्रोच्चारण से आयोजन और भी दिव्य एवं भक्ति-पूर्ण बना। इनके माध्यम से उपस्थित श्रद्धालुओं और विद्वानों ने भगवत्पाद आचार्य की भक्ति, ज्ञान और उपासना के प्रति गहन श्रद्धा का अनुभव किया।

एकात्मता का वैश्विक केंद्र 'एकात्म धाम'

ज्ञात हो कि आचार्य शंकर ने भारतवर्ष का भ्रमण कर संपूर्ण राष्ट्र को सार्वभौमिक एकात्मता से आलोकित किया। अद्वैत वेदान्त दर्शन के शिरोमणि, सनातन वैदिक धर्म के पुनरुद्धारक एवं सांस्कृतिक एकता के देवदूत श्री शंकर भगवत्पाद का जीवन एवं दर्शन अनंत वर्षों तक संपूर्ण विश्व का पाथेय बने, इस संकल्प के साथ आचार्य शंकर सांस्कृतिक एकता न्यास, मध्यप्रदेश शासन, संस्कृति विभाग, आचार्य की संन्यास एवं ज्ञान भूमि 'ओंकारेश्वर' में भव्य एवं दिव्य 'एकात्म धाम' के निर्माण के लिए संकल्पित है। एकात्म धाम के अंतर्गत प्रथम चरण में आचार्य शंकर की 108 फीट की 'एकात्मता की मूर्ति' (Statue of Oneness) की स्थापना की गई है। वहीं द्वितीय चरण में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में आचार्य शंकर के जीवन और दर्शन पर केंद्रित अद्वैत लोक संग्रहालय का निर्माण 2,195 करोड़ रुपए की लागत से किया जा रहा है।

स्वास्थ्य शिविर में पहुंचे न्यायाधीश

नेत्र रोग और हृदय रोग की हुई निशुल्क जांच

मंडलेश्वर। शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में एक दिवसीय निशुल्क हृदय रोग स्वास्थ्य शिविर का आयोजन रविवार को किया गया रोटरी क्लब एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सहयोग से आयोजित इस शिविर में जिला न्यायाधीश दीपक चौधरी जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव न्यायाधीश सुश्री प्रीति जैन एवं वरिष्ठ खंड न्यायाधीश मोहित बड़के ने भागीदारी की।

अतिथियों का स्वागत रोटरी क्लब के अध्यक्ष विक्रम सिंह चौहान ने किया।इंदौर के एक निजी चिकित्सालय और अन्य समाजिक संगठनों द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित इस शिविर में सुबह 10 बजे से 3 बजे तक बी पी शुगर, पल्स, ई सी जी आंखों की जांच कैल्शियम की जांच की गई आंखों की जांच के बाद निशुल्क चश्मे भी दिए गए। रोटरी क्लब के अध्यक्ष विक्रम सिंह चौहान ने बताया कि हृदय रोग की जांच ई सी जी मशीन से करने के लिए सबसे ज्यादा लोग पहुंचे।हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ अभिषेक राठौर ने बताया कि हृदय रोग की जांच जरूर करवाना चाहिए।अगर किसी व्यक्ति को थकान महसूस हो सांस फूलती हो बी पी कम ज्यादा होता हो सीने में दर्द भारीपन जलन घबराहट चक्कर आना बेहोश होने जैसे लक्षण दिखे तो इसे अनदेखा नहीं करे इसकी जांच अवश्य करवाए समय पर बीमारी का पता लगने से उसका प्रारंभिक अवस्था में इलाज किया जा सकता है अगर इन लक्षणों को नजरअंदाज करते हुए कोई व्यक्ति ध्यान नहीं देता है तो स्थिति गंभीर हो सकती है।

हृदय रोग स्वास्थ्य शिवर में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा भी सहयोग करते हुए अपना शिविर लगाया गया जिसमें शिविर में पहुंचे लोगों को कानूनी साक्षरता संबंधी पेम्प्लेट्स वितरित कर कानूनी जानकारियां दी गई।

'संडे ऑन साइकिल' रैली को कलेक्टर भव्य मित्तल ने दिखाई हरी झंडी

खरगोन। जिले में पर्यटन विभाग द्वारा फिट इंडिया मिशन के तहत 'फिटनेस का डोज, आधा घंटा रोज' थीम पर 'संडे ऑन साइकिल' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कलेक्टर सुश्री भव्या मित्तल ने रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली एसडीएम कार्यालय से प्रारंभ होकर गायत्री मंदिर तिराहा होते हुए डीआरपी लाइन में समाप्त हुई। आयोजन में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री आकाश सिंह, खेल अधिकारी सुश्री पवी दुबे, डीएटीसीसी श्री नीरज अमझरे, सहायक आयुक्त जनजातीय विकास श्री इकबाल आदिल हुसैन, जिला शिक्षा अधिकारी श्री एसके कानुड़े, जिला योजना समन्वयक श्री खेमराज सेन सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। कार्यक्रम ने लगभग 200 प्रतिभागी शामिल हुए जिनमें स्कूली विद्यार्थी, जिला पुलिस बल, जिला प्रशासन और स्पोर्ट्स क्लब के प्रतिनिधि थे।

एक नजर में — आज ज्योति नगर में होगी विशाल मूर्ति की स्थापना, भक्तों का मन मोह लेगी खरगोन की महारानी

आधुनिक आतिशबाजी की उमंग में हुई माता मूर्ति की अगवानी

नवभारत न्यूज

खरगोन। शारदेव नवरात्र की धूम सोमवार से शुरु होने वाली है। माता की घट स्थापना से एक दिन पहले याने रविवार को भी शहर में उस वक्त उत्सवी माहौल नजर आया, जब बुरहानपुर से विशाल माता की मूर्ति शहर पहुंची। ज्योति नगर स्थित पांडाल में विराजित होने वाली मूर्ति की अगवानी आयोजन समिति ने उत्साह के साथ की। शहर के बस स्टेंड क्षेत्र पहुंची माता की मुर्ति को शोभायात्रा के रुप में आयोजन स्थल तक ले जाया गया। इस दौरान माता की अगवाई में की गई आधुनिक आतिशबाजी ने उपस्थित रहवासियों के साथ ही राहगिरो का मन मोह लिया। रंगारंग आतिशबाजी और ढोल.तांशों के साथ माता की मूर्ति की निकली शोभायात्रा में भजनों और जयकारों से माहौल धर्ममय बना रहा। आयोजन समिति अध्यक्ष इंजी. नीतिन मालवीय ने बताया कि माता भक्तों को जिस पल का इंतजार थाए वह अब आ गया है। ज्योतेश्वर महादेव मंदिर में बने भव्य पांडाल में खरगोन की महारानी के नाम से विराजित होने वाली माता की मूर्ति इस बार नए स्वरुप में होगी। माता अपने भक्तों पर झूले पर विराजित होकर दर्शन देगी। घट स्थापना के बाद 16 श्रृंगार कर आधुनिक साज. सज्जा के साथ सजे पांडाल में जब दर्शन के लिए पट खोले जाएंगे तो माता का अद्भूत स्वरुप भक्तों का मन मोह लेगा। आयोजन समिति के प्रचार. प्रमुख दिलीप सोनी ने बताया माता की मूर्ति स्थापना को लेकर तैयारियां पूर्ण कर ली गई है। सनातन धर्मावलंबियों की आस्था के केंद्र तिरुपति बालाजी मंदिर के रुप में सजे दिव्य दरबार में माता की करीब 17 फीट उंची मनोहारी मूर्ति की स्थापना के साथ ही नवरात्र उत्सव की धूम शुरु होगी। माता की 9 दिनों तक आराधना को लेकर भक्तो में उत्साह का माहौल है।

आज से देवी भक्ति में रमेंगे सनातनी

खरगोन। अश्विन मास के शुक्ल पक्ष प्रतिपदा याने सोमवार से शारदीय नवरात्र शुरू हो रहे हैं। जिले के प्रमुख मंदिरों में नौ दिन मां दुर्गा के नौ रूपों की पूजा होगी। शुभ मुहुर्त में सुबह से देरशाम तक घट एवं मूर्ति स्थापना का दौर चलेगा। कृषि उपज मंडी में मूर्ति बाजार भी सज चुका है। यहां कलाकार देवी मां की प्रतिमाओं को अंतिम स्वरूप देने में पूरी तरह लगे हैं। मूर्ति विक्रेता गुड्डू पटवा ने बताया कि हर साल की तरह इस वर्ष भी विभिन्न स्वरुपों में माता की मूर्तियां बुलाई है। कई लोग स्थापना के एक दिन पहले ही मूर्तियां ले गए तो कई लोगों ने अपनी पसंद की मूर्ति की बुकिंग कराई है जो स्थापना के दिन मुहुर्त अनुसार बाजे- गाजे के साथ ले जाएंगे।